पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.05.2025 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु **खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया,** घन्टाघर, दिल्ली– 110007, **आई. एफ. एस. कोड** SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9810117464** पर एस.एम.एस कर दें या **9868051444** पर googlepay कर दें।

–अनिल आर्य

वर्ष-41 अंक-23 बैसाख-2082 दयानन्दाब्द 201 01 मई से 15 मई 2025 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.05.2025, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

पहलगांव हत्याकांड मानवता पर कलंक है –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 23 अप्रैल 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने पहलगांव कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निन्दा करते हुए इसे मानवता पर कलंक बताया है। उन्होंने कहा कि अब हिन्दू होने पर अपने ही देश में हत्याएं हो रही हैं यह दुर्भाग्यपूर्ण है। केन्द्र सरकार से अपील है कि कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगाकर हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। साथ ही आंतकवादी और उनके संरक्षकों को सख्ती कुचला जाए। जो लोग देश को अस्थिर करना चाहते हैं उनके साथ कोई भी दया नहीं बरती जाए। निरपराध निहत्थे लोगों की हत्या घोर निंदनीय है। राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने भी इस हत्याकांड की भर्त्सना करते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की।

शिक्षक शाखानायक अभ्यास शिविर का भव्य समापन समारोह सम्पन्न

रविवार 27 अप्रैल 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित शिक्षक/शाखानायक अभ्यास शिविर का समापन समारोह रविवार को आर्ष गुरुकुल, खेड़ा, खुर्द (दिल्ली) में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। यह समारोह दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक चला। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल आर्य रहे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में युवाओं के चारित्रिक, नैतिक एवं शारीरिक विकास में ऐसे शिविरों की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री ब्रह्म प्रकाश मान जी ने की और आशीर्वचन आचार्य सुधांशु जी द्वारा प्रदान किए गए, जिनमें उन्होंने वैदिक जीवनशैली को अपनाने का संदेश दिया। शिविर संयोजक सौरभ गुप्ता एवं प्रधान शिक्षक सूर्यदेव आर्य के मार्गदर्शन में यह शिविर अत्यंत अनुशासित एवं ज्ञानवर्धक रहा। प्रतिभागियों ने शारीरिक, बौद्धिक एवं योगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रांतीय महामंत्री अरुण आर्य ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से युवाओं में वैदिक संस्कृति, अनुशासन एवं नेतृत्व के गुणों का विकास सुनिश्चित किया गया।साथ हीं आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर धर्मपाल आर्य,सुरेश आर्य, राधाकांत शास्त्री,त्रिलोक शास्त्री सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जम्मू आर्य युवा शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में **विशाल आर्य युवा शिविर सोमवार 9 जून से रविवार 15 जून 2025** तक आर्य समाज जानी पुर कालोनी जम्मू में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक युवक सम्पर्क करे, **कपिल बब्बर**, संयोजक– मो. 9906232397

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त,देश भक्त युवाओं का निर्माण करेंगे –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 20 अप्रैल 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी के सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य की अध्यक्षता में सौल्लास संपन्न हुई। बैठक में निश्चय हुआ कि आगामी ग्रीष्मावकाश में युवा पीढ़ी को मातृ–पितृ भक्त,ईश्वर भक्त व देश भक्त निर्माण करने का अभियान चलाया जाएगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज चरित्रवान,संस्कारित, सुसंस्कारित युवाओं का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।आज वृद्धाश्रम खुल रहे हैं यह चिंता का प्रश्न है कि नई पीढ़ी में माँ बाप की सेवा भावना में कमी आयी है।उन्होंने विशाल आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर शनिवार 31 मई से रविवार 8 जून 2025 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर–44, नोएडा में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के 200 युवक लिए जायेंगे उन्हें योगासन,दंड बैठक, लाठी,जुडो कराटे,बॉक्सिंग व आत्म रक्षा शिक्षण दिया जायेगा व वैदिक संस्कृति की जानकारी दी जायेगी।शिक्षाविद डा. अमिता चौहान वा डा. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में यह शिविर चलेगा।इसके साथ ही देश के विभिन्न स्थानों पर भी शिविर लगेंगे व युवा संस्कार अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने कहा कि गाजियाबाद से 50 युवक सम्मिलित होंगे व सम्भव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक का कुशल संचालन राष्ट्रीय महासचिव महेन्द्र भाई ने करते हुए सबसे सहयोग की अपील की। राष्ट्रीय संघठन मंत्री सौरभ गुप्ता गाजियाबाद ने बताया कि परिषद क़ो कार्य करते हुए 47 वर्ष होने जा रहे हैं। प्रमुख रूप से सुरेश आर्य साहिबाबाद, त्रिलोक आर्य गोविंदपुरम, दिनेश आर्य, गौरव झा, रामकुमार सिंह आर्य, नंद लाल शास्त्री, मोहित आर्य, जय आर्य आदि ने विचार व्यक्त किये।

गुरुकुल खेड़ा खुर्द का 80वाँ वार्षिक उत्सव सम्पन्न

गुरुकुल से निकले छात्रः राष्ट्र भक्त होते हैं –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 13 अप्रैल 2025, दिल्ली देहात में स्थित वैदिक शिक्षा का केंद्र गुरुकुल खेड़ा खुरद का वार्षिक उत्सव सोल्लास संपन्न हुआ। यहां 125 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि गुरुकुल भारतीय संस्कृति की रक्षा का केंद्र है यहा शिक्षा पाया व्यक्ति राष्ट्र भक्त होता है व आत्म हत्या नहीं कर्ता क्योंकि आत्म विश्वास मजबूत होता है साथ ही राष्ट्र भक्ति की भावना भरी जाती है स देश के आजादी के आंदोलन में सबसे अधिक योगदान आर्य समाज का रहा। उस समय आर्य समाज को विद्रोही संस्था माना जाता था ५ सादा जीवन उच्च विचार गुरुकुल की विशेषता है जहां अमीर गरीब में कोई पक्ष पात नहीं होता ५ हमे एसी संस्थाओ का सहयोग करना चाहिए जिससे संस्कारित युवा तैयार हो। गुरुकुल के प्रधान चौधरी ब्रह्म प्रकाश मान ने कहा कि यहां 170 गाय की गौ शाला है जिनकी यहां सेवा की जाती है ५ उन्होंने सभी आर्य जनों का धन्यवाद ज्ञापन किया। आचार्य राजकुमार शास्त्री ने यज्ञ करवाया ५ कुशल संचालन आचार्य सुधांशु ने किया। प्रमुख रूप से सोहन लाल मुखी, राजीव आर्य, रामानंद आर्य , आर्य तपस्वी सुखदेव , ऐसीपी दिनेश कुमार, अंगद सिंह आर्य, भोपाल सिंह आर्य, प्रणवीर आर्य आदि उपस्थित थे।

वैसाखी पर जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

जलियांवाला बाग हत्याकांड ने देश भर में आक्रोश को जन्म दिया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

हनुमानजी वेदों के विद्वान थे –डॉ. जयेन्द्र आचार्य

रविवार, 13 अप्रैल 2025, आर्य समाज अरुण विहार व सेक्टर 33, नोएडा में वैसाखी पर्व पर 13 अप्रैल 1919 को शहीद हुए बलिदानीयो को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आचार्य अजेंन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवाया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जलियांवाला बाग एक भीषण नरसंहार था और मानवता पर कलंक था इस काण्ड से पूरे भारत में अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध आक्रोश व्याप्त हो गया।आज उन बलिदानी यों को स्मरण कर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। वैदिक विद्वान डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने हनुमान जयंती पर बधाई देते हुए कहा कि श्री हनुमान जी वेदों के प्रकांड विद्वान थे उनकी हर जगह पूछ थी लेकिन कोई पूंछ नहीं थी उनको वानर कहना उन का अपमान करना है।बहिन गायत्री मीना ने अपने महापुरुषों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया और कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम का कुशल संचालन आर्य नेता कर्नल कर्ण खरब ने किया व मंत्री कर्नल संजय खरबंदा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रविवार 27 अप्रैल 2025, आर्य समाज विशाखा एनक्लेव, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सौल्लास सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनंदन करते प्रधान ओम प्रकाश गुप्ता, इंदु मेहता,इंदु आर्य आदि। द्वितीय चित्र में आर्य समाज माडल बस्ती दिल्ली का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ चित्र में विधायक विशेष रवि का स्वागत करते अनिल आर्य ,कीर्ति शर्मा, वागीश इश्र, आलोक कुमार, आदर्श आहूजा।

रविवार 20 अप्रैल 2025, आर्य समाज सुंदर विहार दिल्ली का वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ चित्र में अनिल आर्य संबोधित करते हुए मंत्री अमर नाथ बत्रा ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र में आर्य समाज कालका जी नई दिल्ली के वार्षिकोत्सव में हॉलाण्ड से पधारे आर्य बंधु का स्वागत करते अनिल आर्य, प्रधान रमेश गाड़ी, मंत्री आदर्श सलूजा,राकेश भटनागर व प्रकाश वीर शास्त्री।

करनाल आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् करनाल के तत्वावधान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 4 जून से 8 जून 2025 तक आर्य समाज मंदिर सेक्टर 6 ,करनाल में आयोजित किया जाएगा। मार्ग दर्शन **स्वतंत्र कुकरेजा** (प्रांतीय अध्यक्ष), शिविर संयोजक, **अजय आर्य** (जिला अध्यक्ष), **हरेंद्र चौधरी** (मंत्री), **रोशन आर्य** (कोषाध्यक्ष)।

श्री कृष्ण दहिया को बधाई

सोमवार 28 अप्रैल 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जिला जींद के अध्यक्ष श्री कृष्ण दहिया की सेवा निवृत्त होने पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। परिषद की और से भावी जीवन के लिए हार्दिक बधाई।

युवा निर्माण से होगा राष्ट्र निर्माण ।। ओ३म् ।। हे कर्मशील मनुष्य तू कर्म कर

शिक्षाविद् डॉ. अमिता चौहान व डॉ. अशोक कु. चौहान के सानिध्य में

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का राष्ट्रीय शिविर

शनिवार 31 मई से रविवार 8 जून 2025 तक

विशाल आर्य युवक चरित्र व व्यक्तित्व निर्माण शिविर

स्थान : ऐमिटी इंटरनेशनल स्कूल सैक्टर-44, नोएडा

उद्घाटन समारोह — शनिवार 31 मई, शाम 5 बजे से 7 बजे तक

भव्य समापन समारोह — रविवार 8 जून, प्रातः 11 से 1:00 बजे तक

नयी पीढ़ी को मातृ-पितृ भक्त, ईश्वर भक्त एवं देशभक्त बनाने का संकल्प

निवेदक

अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष	आनन्द चौहान शिविर संरक्षक	प्रवीन आर्य/सुरेश आर्य राष्ट्रीय मंत्री	ठाकुर विक्रम सिंह मधु भसीन गायत्री मीना अरुण अग्रवाल आनन्द प्रकाश आर्य विकास गोगिया	अजय चौहान योगराज अरोड़ा मे.जन. आर.के.एस. भाटिया कर्नल कर्ण खर्ब कर्नल संजय खरबंदा रामलुभाया महाजन डॉ. डी.के. गर्ग
महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री	दुर्गेश व रामकुमार आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	देवेन्द्र भगत राष्ट्रीय मंत्री		
धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	अरूण आर्य, शिविर प्रबन्धक	सौरभ गुप्ता राष्ट्रीय संगठन मंत्री	वेदप्रकाश आर्य स्वागताध्यक्ष	स्वागताध्यक्ष

कार्यालय: आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, फोन : 9810117464, 9013137070, 9818530543, 9971467978

YouTube aryayuvakparishad — Email: aryayoughn@gmail.com

join - http://www.facebook.com/group/aryayouth • aryayouthgroup@yahoogroups.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 711वां वेबिनार सम्पन्न

आध्यात्मिक प्रगति ही सेवा है विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

सेवा ही साधना है –अनिता रेलन

मंगलवार 22 अप्रैल 2025,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में आध्यात्मिक प्रगति ही सेवा है विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 710 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी अनिता रेलन ने कहा कि सेवा को हम अक्सर दूसरों के लिए किया गया कार्य मानते हैं,परंतु सच्चाई यह है कि सेवा दूसरों के लिए नहीं,आत्मा के विकास के लिए होती है।जब मनुष्य निस्वार्थता, समर्पण और करुणा के साथ किसी के लिए कुछ करता है,तो वह केवल कर्म नहीं करताकृवह साधना करता है और यही साधना उसे भीतर से बदलती है।यही परिवर्तन आध्यात्मिक प्रगति कहलाता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, "यदि तुम मुझे पाना चाहते हो, तो निष्काम भाव से कर्म करो।" यह श्कर्मश केवल युद्ध या बाहरी कर्तव्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक कर्म में सेवा भाव का समावेश ही आध्यात्मिक पथ की शुरुआत है।सेवा ही साधना है, क्योंकि वह हमें श्मैंश से श्हमश की यात्रा पर ले जाती है।जब सेवा में अहंकार का लोप हो जाता है और कर्ता भाव समाप्त हो जाता है, तब वह सेवा त्याग बन जाती है, तपस्या बन जाती है। वेदों में कहा गया है– ईशा वास्यमिदं सर्वंश– हर जीव में ईश्वर का वास है। इसलिए जब हम सेवा करते हैं, तो वह केवल मानव सेवा नहीं रहती कृवह ईश्वर सेवा बन जाती है। तमसो मा ज्योतिर्गमय सेवा वह दीप है जो हमें अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। गुरु–शिष्य परंपरा में भी यही संदेश है। गुरु की सेवा केवल बाहरी नहीं होती, वह अपने भीतर के अंधकार को उनके प्रकाश में समर्पित करना होता है। यही सेवा आत्म–प्रगति का मूल आधार है। शेरावाली माता की आराधना करते समय जब कोई भक्त भंडारा करता है, किसी ज़रूरतमंद को भोजन देता है, या दूसरों की पीड़ा बांटता है, तो वह केवल परोपकार नहीं कर रहा। वह आत्मा को विस्तृत कर रहा है। वही विस्तार सेवा है और वही आध्यात्मिकता का सच्चा स्वरूप है। सेवा में जब कृतज्ञता, शुचिता और दर्शन जुड़ जाते हैं, तब वह केवल कर्म नहीं रहती। वह भक्ति बन जाती है। अंत में, ऋग्वेद का एक सुंदर मंत्र हमें प्रेरित करता है। आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः। चारों दिशाओं से हमारे पास शुभ संकल्प आएं और शुभ संकल्प वहीं आते हैं जहाँ सेवा है, त्याग है और आत्मा की आकांक्षा है परम से जुड़ने की।यही सेवा है। यही आध्यात्मिक प्रगति है। आर्य विदुषी राजश्री यादव ने अध्यक्षता की। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'आर्य समाज का भावी स्वरूप' गोष्ठी सम्पन्न

आर्य समाज ने सत्य स्वरूप की स्थापना की –अतुल सहगल

मंगलवार 8 अप्रैल 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'आर्य समाज के 150 वे स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में भावी स्वरूप' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया ु यह करोना काल से 709 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने समाज के सामान्य जन की दृष्टि में आर्यसमाज के स्वरुप की चर्चा की स आर्यसमाज अपनी स्थापना के 150 वर्ष बाद भी कई सामान्य व्यक्तियों की धारणा में राम और कृष्ण को न मानने वाला अथवा नास्तिक लोगों का समाज है। कई अन्य लोगों की दृष्टि में यह इसाईयत और इस्लाम से प्रेरित समाज है जो मूर्ति पूजा का विरोध करता है। वक्ता ने इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि जिस समाज ने सच्चे धर्म के पुनःस्थापन और पुनर्जागरण के लिए और राष्ट्र चेतना जगाने के लिए इतना कुछ किया, उसके बारे में ग़लत धारणाएँ आज भी प्रचलित हैं। वक्ता ने फिर आर्यसमाज का वास्तविक स्वरुप उजागर करते हुए कहा कि अपने नियम संख्या 6 के अनुसार यह संसार का उपकार करने वाला समाज है। यह सत्य पर टिका हुआ और बहुजनहिताय व बहुजनसुखाय की भावना को लेकर कार्य करता है। अपने नियम सँख्या 4 के अनुसार यह भ्रम, भ्रान्तियां, पाखंड और अंधविश्वास को नष्ट करने वाला समाज है। वक्ता ने कहा कि वर्तमान में आर्यसाज की छवि इसका सही रूप और चरित्र नहीं दर्शाती। यह संस्था बृहद समाज में अपनी पैठ और पकड़ वैसे नहीं बना पायी है जैसी अपेक्षित थी। वक्ता ने तत्पश्चात आर्यसमाज का भावी स्वरुप प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह एक क्रन्तिकारी, आंदोलनकारी और परिवर्तनकारी संस्था का हो स इसकी केवल एक केंद्रीय संचालन सभा हो जो प्रदेश, राष्ट्र और विदेश की समस्त आर्यसमाज शाखाओं का प्रतिनिधित्व करे। वर्तमान की सभाओं का एकीकरण हो स आर्यसमाज सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में उपस्थित हो। हर क्षेत्र राजनैतिक, आर्थिक, वैचारिक, वैज्ञानिक, धार्मिक, सुरक्षा आदि क्षेत्रों में अपने प्रकल्प बनाये––ठीक वैसे ही जैसे आरएसएस ने बनाये हैं। देशीय और वैश्विक स्तर पर इस समाज का स्वरुप वेद विद्या के प्रचार, विस्तार एवं भ्रान्ति निवारण की संस्था का हो स इसकी छवि अंधविश्वास उन्मूलन और पाखंड खंडिनी संस्था की हो स आर्यसमाज का भावी स्वरुप एक संकीर्ण पंथ का नहीं बल्कि एक सार्वभौमिक, सनातन और शुद्ध विचारधारा के प्रचारक, प्रसारक और प्रवाहक का हो स और यह विचारधारा वैदिक ही तो है। अंत में वक्ता ने वर्तमान विश्व कि घोर, विकट समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षण करते हुए कहा कि केवल आर्यसमाज में इन सब समस्याओं का समाधान है स और इसलिए इस संस्था का संवर्धन और विस्तार परमावश्यक है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. आर के आर्य ने भी आर्य समाज के उत्थान के सुझाव दिए. परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए अपने बच्चों को साथ लेकर आने का आह्वान किया ु प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, सुधीर बंसल, कमला हंस, सुनीता अरोड़ा, मृदुल अग्रवाल, उषा सूद, शोभा बत्रा, रवि इंद्र गुप्ता आदि के मधुर भजन हुए।

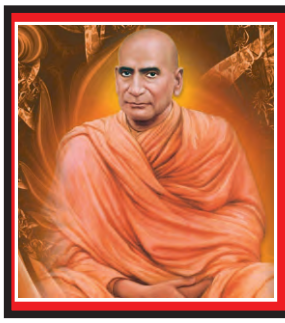

उनकी तुरबत पर नहीं एक भी दिया, जिनके खूँ से जले थे चिरागे वतन।
आज महकते है मकबरे उनके, जिन्होंने बेचे थे शहीदों के कफन।।
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की केन्द्र सरकार से माँग
स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन
नया बाजार दिल्ली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474
से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970